या साल पंचायतीराज का चुनाव होय वाला हवै। या कारन आगे चार अंक तक हम पंचायत के मुद्दन मा गहराई से जांच कइके खबर लिखब। या मारे या पेज मा दुइ खबरें काफी बड़ी–बड़ी लिखी गई हवैं।

का, सरकार बुझा पायी पानी के पियास

इनतान जुहावत पानी

थोइ सोचौ कि अगर तुमका दुइ से चार किलोमीटर दूरी से रोज पानी लावै का परै, या फेर पानी लावै मा दिन भर के दस घन्टा निकर जाय तौ, का तुम कुछ कर पइहौं? पै कुछ गांव इनतान हवैं जेहिमा या समस्या पांच साल से बनी हवै। शासन प्रशासन भरोसा दें के अलावा कुछौ नहीं करत। या समस्या उत्तर प्रदेश के जिला चित्रकूट ब्लाक मानिकपुर के मारकुण्डी गांव के आय।

या गांव के चौदह पुरवन मा पांच साल से पानी के गम्भीर समस्या बनी हवै। हिंया के तालाब, कुंआ अउर हैंण्डपम्प सबै सूख पड़े हवैं। जेहिका असर उनके स्वास्थ, रोजगार और किसानी के साथै–साथै जानवरन मा भी पड़त हवै। एक कइत प्रशासन अबै तक या समस्या का समाधान नहीं ढूंढ़ पाइस आय। दूसरी कइती हैण्डपम्प के मरम्मत के खातिर प्रधान के पास साल मा सिर्फ़ एक हजार रुपिया का बजट हवै। इनतान मा गरीब जनता पानी के कारन पलायन करै खातिर मजबूर हवैं।

मानिकपुर बी0डी0ओ0 राजाराम कुरील का कहब हवै– ''चित्रकूट जिला मा तेरह टैंकर हवैं। जेहिमा से एक टैंकर या इलाका मा भेजा जात हवै। बांकी टैंकर दूसरे गांव चमरौंहां और सकरौंहा मा भेजे जात हवैं।''

ईं सबै समस्या के बारे मा मारकुण्डी प्रधान हंसी देवी का मनसवा करहुली का कहब हवै– ''हम पानी के समस्या का खतम करै के पूर कोशिश मा हन। मार्च 2010 मा कई गांव मा नये बोर करवाये गे हवैं। पांच बार ब्लाक मा बी0डी0ओ0 का दरखास दीन गे हवै।''

कर्वी जल निगम के जे0ई0 बी0आर0 गुप्ता का कहब हवै– ''समस्या निपटावैं खातिर हम कोशिश करत हन। हम अपने अधिकारिन का भी दरखास दीन हन। समय समय मा बोर भी कराये गे हवैं, पै पाताल का पानी घटत जात हवै। यहिके खातिर का कइ सकत हन।''

''का पाताल का पानी घटै का सरकार के लगे कउनौ उपाय नहीं आय? सरकार, का हिंया के जनता के पियास न बुझा पायी?''

पप्पू, रामनारायन और सतनरेश का कहब हवै कि प्रशासन के कइत से पयासी पुरवा मा पानी का एक टैंकर आवत हवैं। जउन हमेशा ब्राम्हण के बस्ती मा ठाड़ रहत हवै, काहे से ब्राम्हण के संख्या ज्यादा हवै। यहिके बारे मा ए.डी.एम. राजाराम का कहब हवै– ''अगर ब्राम्हण के बस्ती मा पानी जात हवै, तौ उंई या स्थिति मा ठोस कारवाही करिहैं।''